Hindi Murli Quiz 26-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **मुरली अनुसार सभी सही वाक्यों का चयन करें ----**

A. आप तो बाप को प्रत्यक्ष कराने वाले अर्थात् स्वयं द्वारा बाप का साक्षात्कार कराने वाले हो।
B. वह साइन्स तो अपूर्ण है। साइन्स कभी सम्पूर्ण हो नहीं सकती क्योंकि मनुष्य-मत है।
C. परिस्थितियाँ आयेंगी और चली जायेंगी, स्वस्थिति सदा आगे बढ़ायेगी। परिस्थिति के पीछे भागने से स्वस्थिति चली जायेगी।
D. परिस्थिति आना भी गुड-लक है। यह पेपर फाउन्डेशन को मज़बूत करने का साधन है।
E. रोज़ क्लास में रेगुलर-पन्क्चुअल होना अच्छा है, लेकिन निरन्तर योगी, सहजयोगी बनोगे तो नम्बर आगे ले सकोगे।,

Q.2) **वाक्यों /शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	बापदादा ने एक तमाशा देखा,	1	यह प्रैक्टिस करो।
B	अपने को कर्मबन्धनी से कर्म योगी समझो।	2	ऐसे टाइम पर अशरीरी बनने का अभ्यास करके देखो।
C	संकल्प किया और अशरीरी बना,	3	तब कहेंगे तेरे को मेरे में नहीं लाया है।
D	कितना भी बुद्धि सेवा के कार्य में बिज़ी हो,	4	कि बच्चे तेरे को मेरे बनाने में बड़े होशियार हैं।
E	ट्रैफिक कण्ट्रोल के समान अन्त की स्टेज- कर्मातीत अवस्था का अभ्यास करो,	5	बन्धनमुक्त एक बाप के सम्बन्ध में समझो तो सदा एवर-रेडी रहेंगे।

Q.3) **बापदादा अमृतवेले के समय सर्व स्नेही बच्चों का खेल देख रहे थे। उस खेल में बापदादा ने जो देखा उसे चयन करें ----**

A. सबका एक ही लक्ष्य था उड़कर बाप समान बनने का।
B. सबका एक ही डायरेक्शन था एक सेकेण्ड में उड़ने का।
C. कोई मैं मास्टर ज्ञानस्वरूप हूँ, मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ-- इस शुद्ध संकल्प तक रहे, लेकिन स्वरूप नहीं बन पाये।
D. सभी ब्राह्मण आत्मा रुपी विमान अपने-अपने साकार स्थानों अर्थात रूहानी एरोड्रोम पर पहुँच गये।
E. लेकिन उसमें कोई चेकिंग करने में ही रह गये- मैं आत्मा हूँ, शरीर नहीं हूँ।
F. शुद्ध संकल्प में तो रमण कर रहे थे लेकिन यह देह रूपी धरती को छोड़ नहीं सकते थे। अशरीरी स्टेज पर स्थित नहीं हो पाते थे।

Q.4) **"जैसे बाप प्रवेश होते हैं और चले जाते हैं, वैसे मरजीवा जन्मधारी ब्राह्मण आत्मायें भी प्रवेश होने योग्य हैं। जब चाहो कर्मयोगी बनो, जब चाहो परमधाम निवासी योगी बनो, जब चाहो सूक्ष्मवतन वासी योगी बनो। स्वतत्र हो। तीनों लोकों के मालिक हो। इस समय त्रिलोकीनाथ हो। तो नाथ अपने स्थान पर जब चाहें तब जा सकते हैं। "**

A. False
B. True

Q.5) **मुरली को ध्यान में रखकर अशरीरी बनने की निम्नलिखित सहज विधि का आंकलन करें कि यह सही है अथवा गलत है --**

" मेरा-मेरा कहना यही रॉयल माया है, इससे मायाजीत बन जाओ तो सेकेण्ड में प्रकृति जीत बन जायेंगे। प्रकृतिजीत अर्थात प्रकृति का आधार लेंगे, लेकिन प्रकृति के अधीन नहीं बनेंगे। ¡ फिर एक सेकेण्ड का डायरेक्शन 'अशरीरी भव' का सहज और स्वतः हो जायेगा। ऐसे नहीं कि सेवा ज्यादा है इसलिए अशरीरी नहीं बन सकते। याद रखो मेरी सेवा नहीं बाप ने दी है,मै ट्रस्टी हूँ, तो निर्बन्धन रहेंगे। यथार्थ सेवा का कभी बन्धन होता ही नही क्योंकि योग युक्त, युक्ति युक्त सेवाधारी सदा सेवा करते भी उपराम रहते हैं।"

A. True
B. False

Q.6) **बन्धन मुक्त विषय पर बनी यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें ---**

	Choice		Match
A	कर्मभोग है,कर्म का बन्धन है,संस्कारों का बन्धन है,	1	अर्थात् मेरा-पन छोड़ दो।
B	ज़िम्मेवारी सम्भाल भी नहीं सकते हो,	2	लेकिन छोड़ते भी नहीं हो।

C	पहले ही मरजीवा बन चुके हो,	3	तो जिम्मेवारी बाप की हुई, फिर आप क्यों ले लेते हो?
D	पुराने शरीरों में बाप शक्ति भर कर चला रहे हैं,	4	यह तो सिर्फ विश्व की सेवा के लिए शरीर रहा हुआ है।
E	ज़िम्मेवारी छोड़ दो,	5	इस व्यर्थ संकल्प रूपी जाल को इमर्ज कर स्वयं फँस जाते हो,फिर कहते छुढाओ ।

Q.7) **"अगर ऐसे स्वतत्र होकर रहो कि यह लोन मिली हुई देह है तो सेकेण्ड में उड़ सकते हो। वायदे करते हो कि जहाँ बिठायेंगे वहाँ बैठेंगे, जो कहेंगे वह करेंगे, तो बाप की बन्धनी आत्मा हो या कर्म-बन्धनी आत्मा हो? यह भी बाप ने डायरेक्शन दिया है कि कर्म करो। आप स्वतत्र हो, चलाने वाला चला रहा है, आप चल रहे हो। आपकी सरस्वती माँ की यह विशेष धारणा थी 'हुक्मी हुक्म चला रहा है' तब नम्बर आगे ले लिया। फॉलो फादर और मदर।"**

A. False

B. True

Q.8) **"बापदादा सर्व बच्चों की याद और प्यार का रिटर्न देने के लिए बच्चों के समान साकार रूप में आते हैं क्योंकि समान बनना ही स्नेह का रिटर्न है। जैसे बाप आप सबके समान, स्नेह के कारण, साकार वतन निवासी, साकार रूपधारी बन जाते हैं वैसे आप सब बाप-समान आकारी अव्यक्त वतन निवासी बनो या निराकारी बाप के गुणों समान सर्व गुणों में भी मास्टर बन जाओ- इसको कहा जाता है सम्पूर्ण स्नेह का रिटर्न।"**

A. True

B. False

Q.9) **वाक्यों /शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	जो 'एक बल एक भरोसा' इसी लगन में रहते,	1	ऐसे अनुभवी मूर्त द्वारा बाप की सूरत प्रत्यक्ष होती है।
B	जो बाप के सर्व गुणों के अनुभवी हैं,	2	वे एकरस रहते, उनको कोई भी रस आकर्षित नहीं कर सकता।
C	पीछे आने वालों का भाग्य भी कम नहीं, बहुत श्रेष्ठ है,	3	क्योंकि उनको अच्छे साधन, अच्छे स्थान बने बनाये मिले हैं। पीछे आने वाले फल खाने वाले हैं ।
D	जो बच्चे सदा बापदादा के दिलतख्तनशीन रहते हैं,	4	अर्थात् परछाई के पीछे पड़ना।
E	हद के नाम, मान, शान के पीछे दौड़ लगाना,	5	वे इस पुरानी देह वा देह की दुनिया से विस्मृत रहते हैं, इसे देखते हुए भी नहीं देखते।

Q.10) **कई बच्चों का एक संकल्प पहुँचता है कि बाप तो निर्बन्धन हैं और हमें तो देह का बन्धन है,कर्म का बन्धन है। बाप-दादा कहते इसका अर्थ है कि अब तक बच्चों ने देह सहित त्याग नहीं किया है । बापदादा ने बन्धन के विषय में जो ज्ञान रत्न निकाले हैं उनका ध्यान से चयन करें –**

A. पहला-पहला वायदा है सब बच्चों का कि तन-मन-धन तेरा न कि मेरा। फिर बन्धन काहे का?

B. जब मरजीवा बन गये तो 83 जन्मों का हिसाब समाप्त हो गया।

C. इस अलौकिक दिव्य जन्म में ब्राह्मण आत्मा स्वतन्त्र है न कि परतन्त्र। तेरे को मेरे में लाते हो तब परतन्त्र होते हो।

D. अब यह नया 84 वाँ जन्म है। इस दिव्य जन्म का बन्धन नहीं, सम्बन्ध है। कर्मबन्धनी जन्म नहीं, यह कर्मयोगी जन्म है।

E. यह सब तो लोन पर बाप-दादा ने दिया है। आप ट्रस्टी हो, न कि मालिक।